DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B.A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294392191

गौरवपूर्ण क्रान्ति के संवैधानिक महत्व :- III

Burk के अनुसार सन् 1688 ई० की क्रान्ति गौरवपूर्ण और आनंददायक क्रान्ति थी क्योंकि इस क्रान्ति में एक बूँद रक्त भी नहीं बहाया गया फिर यह क्रान्ति जनता के खून से अपनी प्यास नहीं बुझा पाने थी। इसलिए वह एक आनंददायक क्रान्ति थी।

गौरवपूर्ण क्रान्ति में इंगलैंड के राजा के दैविक अधिकारों को नष्ट कर दिया। जनता के अधिकारों की विजय हुई। मेरी और विलियम का राज्याभिषेक - Declaration of Right के अनुसार ही हुआ। इस अधिकार घोषणा के द्वारा राजा के अधिकारों को सीमित कर दिया गया। अब राजा पार्लियामेंट की अनुमति के बिना कोई कर नहीं लगा सकता था। प्रजा के उपर अब कोई नायायज कानून नहीं लादा जा सकता था। अब प्रजा अपने ही राजा पर हर तरह का नियंत्रण लगा सकती थी। अभी कानून पार्लियामेंट और राजा के इच्छा से ही जारी किये जा सकते हैं। इस तरह से अब Sovereignty सिर्फ राजा के ही हाथ में रहकर, राजा और पार्लियामेंट दोनों के हाथों में आ गई। इसलिए ने कहा जाता है कि इंगलैंड में "Real Sovereignty Live in - King in parliament.